

सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2024

द्वितीय प्रश्न-पत्र

पाठ्यक्रम-संगीत

Assistant Professor Exam -2024

Second Paper

Syllabus-Music

इकाई-I तकनीकी शब्दावली

- नाद, श्रुति, स्वर, ग्राम, मूर्च्छना, जाति, ताल, तान, गमक, गांधर्व-गान, मार्गी-देशी, गान, वर्ण, अलंकार, हार्मोनी-मेलोडी, स्वर सप्तक, स्वर अन्तराल तथा उपस्वर।
- स्वरित, अल्पत्व-बहुत्व, आविर्भाव-तिरोभाव, उपांग भाषांग।
- पेशकार, कायदा, रेला, लगगी, लडी, ताल, लय, मात्रा, आवर्तन, विभाग, सशब्द-निशब्द, क्रिया, ठेका, गत एवं उसके प्रकार।
- कृति, कीर्तन, पद, रागमालिका, तिल्लाना, न्यास, अंश, अनुप्रास।
- गीतीनाट्य, नृत्यनाट्य, वर्षा-मंगल, वसन्तोत्सव, मसीतखानी एवं रजाखानी गत, स्वरलिपि पद्धति पं. भातखण्डे एवं पं. पलुस्कर पद्धति के अनुसार।

Unit-I Technical Terminology

- Naad, Sruti, swar, Gram, Moorchana jati, Taal, Taan, Gamak, Gandharva-Gan, Margi-deshi Gaan, Varna, Alankar, Harmony Melody Musical Scale, musical interval and Harmonico.
- Swarit, Alpatava- Bahutava, Avirbhav- Tirolobhav, Upang Bhashang.
- Peshkar, Kayada, Rela, Laggi, Ladi, Taal, Laya, Matra, Avartana Vibhag, Sashabda- Nishabda, Kriya, Theka, Gat and their types
- Kruti, Kirtana, Pad, Ragmalika, Tillana, Nyas, Ansha, Anupras,
- Geeti-natya, Nritya-natya, Varsha-mangal, Vasantotsava, masitkhani Gat and Rajakhani Gat, Notation system according to Pt. Bhatkhande and Pt. Paluskar

इकाई-II प्रयोगात्मक शास्त्र

- रागों का विस्तृत अध्ययन, रागों का वर्गीकरण, ग्रामराग वर्गीकरण, मेलराग वर्गीकरण, रागरागिनी वर्गीकरण एवं रागांग वर्गीकरण।
- रागों का समय सिद्धांत, भारतीय संगीत में मेलोडी एवं हार्मोनी का प्रयोग, प्राचीन, मध्य तथा आधुनिक काल में श्रुतियों पर शुद्ध विकृत स्वरों की स्थापना,
- हिन्दुस्तानी संगीत में प्रचलित तालों का विस्तृत ज्ञान, ताल के दस प्राण, प्राचीन काल में मार्गी तथा देशी तालों का ज्ञान।



- तिहाई निर्माण के मूल सिद्धांत, चक्रदार गत, चक्रदार परन, ताल के दस प्राणों के संदर्भ में हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक तालों का विस्तृत अध्ययन।
- विभिन्न लयकारियाँ— दुगुन, तिगुन, चौगुन आड़, कुआड़ बिआड़ एवं उनके क्रियात्मक प्रयोग सम्बन्धित विस्तृत जानकारी।

Unit-II Applied Theory

- Detail study of Ragas, classification of Ragas, Gram Raga Vargikaran, Mel Raga Vargikaran, Rag- Ragini Vargikaran, and Ragang Vargikaran
- Time theory of Ragas, The uses of Harmony and Melody in Indian Music, Placement of Shudha Vikrata Swars on Shruties in Ancient, Medieval and Modern Period.
- Detail knowledge of Prevalent talas of Hindustani music, Ten prans of Tala, Margi and Deshi Tal of ancient period.
- Original Principle of Tihai Formation, Chakradar Gat, paran, Detail study of Hindustani and Karnataka Tal system with special refrence to ten Prans of Tal.
- Detail study of different Layakaris-, Dugun, Tigun, Chagun, aad Kuaad, Biyad and method of apply them in compositions.

इकाई-III गेय विधाएँ तथा उनका विकास

- प्रबंध, ध्रुपद, ख्याल, धमार, ठुमरी, टप्पा, तराना, चतुरंग, त्रिवट, वृन्दगान, वृन्दवादन।
- जावली, कृति, तिल्लाना, आलाप, वर्णम, पदम, रागम, तानम, पल्लवी, वर्ण, स्वरजाति, रागमालिका।
- अष्टछाप के संतकवि और उनका हिन्दुस्तानी संगीत में सांगितिक योगदान।
- हवेली संगीत, मंदिर तथा राजदरबारों का संगीत।
- रंगमंच तथा संगीत का पारस्परिक अंतर्सम्बन्ध।

Unit-III Compositions forms and Evolution

- Prabandh, Dhrupad, khyal, Dhamar, Thumri, Tappa, Tarana, Chaturang, Trivat, Vranda Gaan, Varnda Vadan.
- Javali, kruti, Tillana, Aalap, Varnam, Padam, Raagam, Taanam, Pallavi, Varna, Swar- Jaati, Ragmalika.
- Ashta Chhap saint Poet and their Musical contribution in Indian Music.
- Haveli Sangeet, Music of Indian Temples and Raj Darbar.
- Co-relation between Music and Theater.

इकाई-IV घराना और गायकी

- हिन्दुस्तानी संगीत में घरानों का उदगम एवं विकास
- गायन, वादन और नृत्य के घरानों का सामान्य अध्ययन, घरानों के गुण एवं दोष
- वर्तमान समय में घरानों की आवश्यकता एवं सम्भावनाएँ।
- विभिन्न प्रमुख घरानों के कलाकारों का सांगीतिक योगदान।
- संगीत शिक्षण में स्मृति और उपज अंग का महत्व।

Unit-IV Gharana and Gayaki

- Origin and development of Gharana in Hindustani Music.
- General Study of Gayan, Vadan and Nirtya Gharanas, merits and demerits of Gharana.
- Need and Possibilities of Gharana in present period.
- Prominent artist of various Gharana's and their musical contribution.
- Importance of memory and Upajang in music Teaching.

इकाई-V भारतीय संगीत के शास्त्रज्ञों का योगदान एवं उनकी शास्त्रात्मक परंपरा

- नारद, भरत, दत्तिल, मतंग, शारंगदेव, नान्यदेव, लोचन, रामामात्य, पुंडरिक विठ्ठल, सोमनाथ, दामोदर मिश्रा, अहोबल, हृदयनारायण देव, व्यंकटमुखी एवं श्रीनिवास।
- पंडित भातखण्डे, पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर, पंडित औंकारनाथ ठाकुर, आचार्य बृहस्पति, डॉ. प्रेमलता शर्मा, पंडित रामाश्रय झा,
- अनवध्द वाद्य संबंधित प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक ग्रंथ जैसे भारतीय वाद्यों का इतिहास, संगीत शास्त्र, भारतीय संगीत में ताल और रूप, अभिनव ताल मंजरी, भारतीय संगीत वाद्य।
- प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक काल के अनवध्द वाद्यों के शास्त्रज्ञों का योगदान जैसे – कुदऊ सिंह, भगवानदास, राजा छत्रपति सिंह, अनोखेलाल, अहमद जान थिरकवा, सामता प्रसाद एवं किशन महाराज।
- मध्य एवं आधुनिक काल के कर्नाटक संगीत के प्रमुख शास्त्रज्ञों, रचनाकारों एवं मंच प्रदर्शक कलाकारों का योगदान – त्यागराज, मुथू स्वामी दीक्षितार, श्यामा शास्त्री, गोपाल कृष्ण भारती, प्रो. राम मूर्ति, वसन्ता कुमारी, सुब्बुलक्ष्मी, टी.एन. कृष्णन्।



Unit-V Contribution of Scholars to Indian Music and their textual Tradition

- Narad, Bharat, Dattil, Matang, Sharangdev, Nanyadev, Lochan, Ramamatya, Pundarik-Vithhal, Somnath, Damodar Mishra, Ahobal, Hardayanarayandev, Vyankatmukhi and Shrinivas.
- Pandit Bhatkhande, Pandit. V.D. Paluskar, Pandit Omkarnath Thakur, Acharya Brahaspati, Dr. Premlata Sharma, Pandit Ramashrya Jha.
- Study of Ancient, Mediaval and modern Script in percussion instruments like Bartiya Vadhyon ka Itihas, Sangeet shastra, Bhartiya Sangeet me Taal aur Roop, Abhinav Tal Manjari, Bhartiya Sangeet vadhya.
- Contribution of various Scholars of Percussion Instruments in Ancient, Medieval an modern period like- Kudau Singh, Bhagvandas, Raja Chatra Pati singh, Anokhelal, Ahmad Jan Thirkava, Shamta Prasad and Kishan Maharaj.
- Contribution of Karnatak Scholars , composers, performers of Medieval and Modern period Tyagraj, Muthu Swami Diksutar, Syama Shashtri, Gopal krishna Bharti, Prof. Rammurthi, Vasanta Kumari, M.S. Subbu Laxmi, T.N. Krishnan.

इकाई-VI संगीत के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में

- प्राचीन, मध्य एवं अधुनिककाल में हिन्दुस्तानी संगीत (कंठ, वादन एवं अवनघ) का ऐतिहासिक विकास
- कर्नाटक संगीत एवं रविन्द्र संगीत का ऐतिहासिक विकास।
- महाभारत एवं रामायण काल में संगीत, जैन, बौद्ध तथा प्रतिशाख्य काल में संगीत।
- प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक काल में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय नृत्य का विकास
- पाश्चात्य संगीतज्ञों का भारतीय संगीत में योगदान

Unit-VI In Historical perspective of Music

- Historical development of hindustani Music (Vocal, Instrumental, Percussion) in Ancient, Medieval and modern age.
- Historical development of Karnatak Music and Ravindra sangeet
- Music in Mahabharata and Ramayan period, Music in Jain Boddh and pratishakhya period.



- Historical development of Indian Classical dance in Ancient, Medieval and Modern period.
- Contribution of western Musicians in Indian Music.

इकाई-VII सौंदर्यशास्त्र

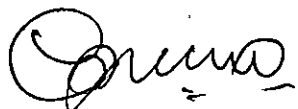
- सौंदर्यशास्त्र का उद्गम, अभिव्यक्ति एवं परख, सौंदर्यशास्त्र के सिद्धांत एवं भारतीय संगीत से संबंध ।
- रस सिद्धांत एवं भारतीय संगीत में इसका प्रयोग ।
- राग और रस पं. भरत एवं पं. अभिनव गुप्त के अनुसार ।
- हिन्दुस्तानी संगीत (गायन, वादन एवं अवनद्य वाद्य) एवं कर्नाटक संगीत का सांगीतिक सौंदर्यशास्त्र तथा रस से संबंध ।
- राग-रागिनी चित्रों, रागध्यान के विशेष संदर्भ में ललितकलाओं का पारस्परिक संबंधों का अध्ययन ।

Unit-VII Aesthetics

- Origin, Expression and Appreciation of Aesthetics. Principles of Aesthetics and its relation to Indian music.
- Rasa Theory and its applications in Indian Music.
- Raga and Ras according to pt. Bharat and Abhinav Gupt.
- Relationship of musical aesthetics and Ras in Hindustani music (Vocal, Instrumental and percussion) and Karnatak music.
- Study of Interrelationship of fine arts with special reference to Rag-Ragini paintings and Rag Dhyam.

इकाई-VIII वाद्य/नृत्य

- हिन्दुस्तानी, कर्नाटक तथा रविन्द्र संगीत में प्रयुक्त होने वाले वाद्य, उनकी उत्पत्ति तथा विकास ।
- हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी संगीत के सुप्रसिद्ध कलाकारों की जीवनी एवं उनका संगीत में योगदान ।
- तानपुरा तथा उसके उपस्वरों का महत्व ।
- चतुर्विध वाद्य वर्गीकरण की उत्पत्ति एवं विकास ।
- भारतीय नृत्यों की सामान्य जानकारी- कथक, भरतनाट्यम, कुचिपुडी, ओडिसी, कथकलि आदि ।



Unit-VIII Instrumental/ Dance

- Instruments used in Hindustani, Karnataki and Ravindra Sangeet and its origin and development.
- Life sketch and Musical contribution of well known Hindustani and Karnataki artists.
- Importance of Tanpura and its harmonics
- Origin and development of chaturvidh Vadhya Classification.
- General knowledge of Indian Dance - like Kathak, Bharatnatyam, Kuchipudi, Odissi, Kathakali etc.

इकाई-IX लोक संगीत

- भारतीय संगीत पर लोक संगीत का प्रभाव एवं लोक संगीत का रागों में शैलीगत परिवर्तन, मध्यप्रदेश के शास्त्रीय संगीत घरानों की वैशिष्टता एवं उनके प्रमुख कलाकारों का योगदान।
- भारत के विभिन्न प्रान्तों के लोक संगीत का सामान्य अध्ययन, मध्यप्रदेश लोक संगीत में शास्त्रीय संगीत के तत्वों का विश्लेषण तथा लोक गायक एवं लोक वाद्य कलाकारों का योगदान।
- विभिन्न प्रान्तों की लोकधुन :- बाउल, भटियाली, लावणी, गरबा, कजरी, चैती, मांड, पंडवानी आदि।
- प्रसिद्ध लोक नृत्य एवं लोकवाद्यों की जानकारी।
- प्रसिद्ध लोक गायक, लोक वादक तथा लोक नृत्य कलाकारों की जानकारी।

Unit-IX Folk Music

- Influence of folk music on Indian classical music, stylisation of folk Melodies into Ragas. Uniqueness of the classical music Gharanas of MP and the contribution of their artists.
- General study of folk music of various regions of India. Analysis of the elements of the classical music in the folk music of MP and contribution of folk singers and folk musical instrument players.
- Popular folk tunes of various regions like- Baul, bhatiyali, Lavani, Garba, Kajri, Chatiy, Mand, Pandwani and etc.
- Information of popular folk dance and folk instrument.
- Information of popular Folk-Vocalist, Folk- Instrumentalist and Folk Dance artist.



इकाई-X संगीत शिक्षण एवं तकनीक

- गुरुशिष्य परंपरा, एवं संस्थागत संगीत शिक्षा
- संगीत में इलेक्ट्रॉनिक वाद्ययंत्रों का महत्व एवं उनकी उपयोगिता।
- संगीत एवं शोध प्रविधि का अंतर्सम्बन्ध, शोध की सामान्य पद्धतियाँ, शोध की समस्याएँ एवं उनका समाधान संगीत के क्षेत्र में।
- शास्त्रात्मक तथा मौखिक परंपरा का संगीत में अन्तः सम्बन्ध।
- संगीत चिकित्सा एवं उसका मानव जीवन पर प्रभाव, म.प्र. शासन द्वारा दिए जाने वाले प्रमुख पुरस्कारों के नाम एवं नामांकित कलाकार (शास्त्रीय एवं सुगम संगीत के क्षेत्र में)

Unit-X Music Teaching and Research Technology

- Guru Shishya Parmpara and Institutional music teaching.
- Utility and importance of electronic equipments in music.
- Co-relation ship of music and research Methodology, various methods of research, problem and solution in field of music research.
- Inter-relation between text and oral Tradition.
- Music Therapy and its effect on Human life. Names of the main awards given by MP Government and nominated artists (in the field of classical and light classical music).

---XXX---

